



आपकी तरह सोचने वाले लोगों से मिले-जुले और अपने आइडिया शेयर करें। इन चीजों से धीरे-धीरे लाइफ में बदलाव आने लगेगा।

सीखें कुछ नया

लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले यह बात समझ लें कि सीखने की कोई सीमा तय नहीं होती है। नई-नई चीजें सीखें। कुछ नया सोचें या फिर पुनरी चीजों को नए तरीकों से करने के बारे में सोचें। कुछ नया सोचने के लिए इमेजिनेशन होना जरूरी है। हर बार नया सोचने के प्रयास से इमेजिनेशन पावर बढ़ती है, जो क्रिएटिविटी के लिए बहुत जरूरी है।

नई चीजें सीखते हुए अकस्मा असफलता का डर होता है। इस डर को मन से निकाल दें। यदि खेल, क्रिएटिव लोगों में यही खास बात होती है कि वो कभी भी असफलताओं से डरते नहीं हैं। कुछ नया सीखने का जन्मा इस डर से बढ़ा होता है।

अब आपको कोई चीज़ क्यों रोके? तो फिर अब हर हास्ते कम से कम एक नई चीज़ सीखने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों से शुरू करें जैसे कि कोई नई डिश बनाएं या फिर अपने कमरे को किसी नए तरीके से सजाएं।

क्रिएटिव लोगों से जुँड़ें

क्रिएटिव लोगों से मिलें-जुलें रहें, मिलने का समय न हो तो

कैसे बनाएं अपने आपको क्रिएटिव...



किसी भी अन्य तरीके से जुँड़ें। इससे आपको प्रेरणा मिलेगी।

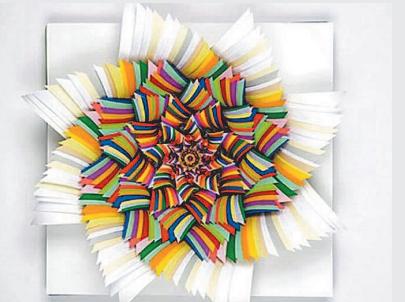
इस तरह लोगों से जुँड़ने पर आप अपने आइडियाज वेंडिंग शेयर कर सकते हैं और नई बातें भी जान सकेंगे।

क्रिएटिव लोगों से जुँड़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि आपने शैक के अनुरूप कोई कलब या रूप डॉड्स कर लें। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर आप अपना खुद का रूप बनाकर लोगों को इनवाइट कर सकते हैं, डिस्कशन्स कर सकते हैं।

इस तरह के रूप्स एक बहुविध सोपोर्ट सिस्टम की तरह काम करते हैं। साथ ही आपकी लाइफ को क्रिएटिव बनाने में सहायता भी होते हैं।

हम सभी एक जुदा अंदाज में जीना चाहते हैं, लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। मगर कैसे?

लाइफ को क्रिएटिव बनाने की इस इच्छा को पूरी करना चाहते हैं तो इसके लिए प्रयास भी आप ही को करना होगा। यह प्रयास कुछ अलग किस्म के होंगे, जैसे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ नया करने की कोशिश करें।



सिर्फ 15 दिनों में चेहरा खूबसूरत बनाएं
जानिए कैसे



इस अपना चेहरा रमाना के लिए ब्लूटी पाल्टर के मोहताज होते हैं या फिर कुछ घलूं उपचार का सहारा लेते हैं। यहां तक कि आधुनिक तकनीक से बोटोक्स की भी शरण में चले जाते हैं। यहां पेश हुए कुछ ऐसे उपयोग जिसके लिए ना ना महीनी दिवाई की जरूरत है न ही फेसपैक और पार्लर के नहरों की।

प्रस्तुत है के वेहरे के कुछ ऐसे व्यायाम जिन्हें आप आसानी से कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं और बढ़ा सकते हैं अपने वेहर की रोकन। इन्हे हम फेशियल योगा का नाम दे सकते हैं। प्रत्येक फेशियल योगा 8-10 से 20 बार प्रतिदिन 5 से 7 मिनट तक करें। इससे आपको 15 दिन में ही फर्क नज़र आने लगेगा।

फेशियल योगा स्टेप्स
1 गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें।
2 भौंडे सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
3 गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
4 आर्खों पर आर्खों पर रहें व ऊपर-नीचे देखें।
5 आर्खों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें।
6 सुहूं व रात अंखों को ठंडे पानी से धोएं।
7 नथने फूलां व ढीला छोड़ दें।
8 पुण मुँह खोलें व बंद करें।
9 जड़ा दाप-बाप दिलाएं।
10 हाथों को सिकोड़े व फैलाएं।
11 दांत दिखाएं व बंद करें।
12 मुह से फुगा फुलाएं।
13 दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं।
14 गर्दन की महीनी को खींचें, जबड़ा टाइट करें।
15 दस तक मिनटे हुए गर्दन को पीछे ले जाएं।
16 मुंह में पानी भरकर हिलाएं।
17 सोने के पले प्रतिदिन वेहर को साफ करें। यदि आप वार्गिक वून में हो तो डीप क्लीनिंग मिल्क से साफ करें।

व्यायाम के अतिरिक्त संतुलित खन-नन आपकी त्वचा में असरी चमक लाता है। अतः भोजन में दूध, दही, सलाद, फल, हरी सब्जियां अत्यधिक लाभदायक हैं। पर्याप्त पानी पिएं, सूर्य की तेज किरणों से बचें व धूप का वशमा लगाएं।

छह चीजों से चमकाए बाल और त्वचा



अगर आप चमकार त्वचा और हैली देखते हैं तो अपनी फूड लिस्ट में इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से नवाज़ोंगी।

विटामिन ए से भरारू चीजें

त्वचा लैं- गारज, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा- इन चीजों में क्रोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे में

फायदा- इनमें ओमेगा थी फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमाना बनाता है। अखोरेट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ावा देता है, ड्रेन और दो मुहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा- नीबू, आंवले, संतरे का खट्टपन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जंगी रखता है। इससे बारिंग नहीं पड़ती और त्वचा के धाव भी जल्दी होते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर धूरिन के रखते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा- खाने को कुरकूरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थी फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुहासें नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरुषों के बालों में सफेदी की शुरुआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनाटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं- त्वचा को करना है। इसके पार करना है। यह त्वचा को बदलता है। इसके लिए धूमपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गाट गोभी खाएं व गीन टी पीएं।



मां बनने के एक साल के अंदर घटाएं वजन

मां बनने के एक साल के अंदर महिलाओं ने अगर अपने वजन पर नियंत्रण नहीं किया तो उन्हें हृदय

रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई बीमारियां भर

हैं कि कनाडा में टोरंटो के माउंट सिन्हाइ

अप्पाताल के मधुमेह केंद्र ने अपने नए शोध में

यह बताया है कि महिला के लिए मां बनने के

बाद के पहले तीन महीने सुरक्षित होते हैं

तरोंकि इस दौरान उनके शरीर में उनके

बदलाव नहीं होते इसलिए हृदयरोग, मधुमेह या

उच्च रक्तचाप का खतरा इस दौरान उनका अधिक

शोध पत्रिका डायविटीज केरेयर में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक तीन महीने के बाद पूरे साल तक मां के शरीर में तरह-तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान उनके शरीर में उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रोल और

इंसुलिन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है और उनके

हृदय संबंधी रोग से ग्रसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

शोध के दौरान 300 गर्भवती महिलाओं पर पूरे न

महीने और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक

निगरानी की गई और उनकी नियमित जांच की गई।

जांच के दौरान पाया गया कि अगर बच्चे को जन्म

के अंदर वजन घटाएं तो सभी वासना भी काफी बढ़ गई।

शोधकर्ता डॉक्टर रवि रत्नाकरन ने कहा कि इस शोध के कारण अब महिलाओं को बच्चे के जन्म के एक

साल के अंदर वजन घटाने की सलाह दी जाती है।



राजकीय नर्सिंग कॉलेज की ओर से न्यू सिविल अस्पताल में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया

सूरत। सोमवार को सूरत नवी सिविल हॉस्पिटल स्थित गणराम नर्सिंग कॉलेज की ओर से ऑडिटोरियम हॉल में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसमें विशेष विषयों ने "नैरेटिव ऑफ इनसाइट: एक्सप्लोरिंग क्लाइंटेटिव रिसर्च इन एक्शन" जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए।

इस अवसर पर शासकीय नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. इंद्रावती राव ने कहा, नर्सिंग कॉलेज हमेशा अपने संकाय सदस्यों को अनुकूल माहौल प्रदान करने का प्रयास करता है, ताकि अनुसंधान और शिक्षण क्षमता को बढ़ाया जा सके। चैकित्सा अधीक्षक डॉ. गणेश सभी कॉलेजों द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाना बहुत अभी तक साधारण विषयों पर



सोताराम सराठे और जीएससी के प्रो. डॉ. प्रीति यादव ने विशेष अनुसंधान और प्रकाशन की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर आवर्षण पर आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, टी. बी. चेस्ट विभाग एवं नर्मद विश्वविद्यालय के डीन डॉ. रागिनी वर्मा ने संकाय जरूरी है, अलग-अलग कॉलेजों शोध हो रहा था, लेकिन अब फ्रेमुख। सिंडिकेट सदस्य विकास कार्यक्रम आयोजित को एकत्रित कर विचारों का हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध हो डॉ. पारल वडामा, नर्सिंग करने के लिए नर्सिंग कॉलेजों को आदान-प्रदान करने से प्रत्येक रहा है। इससे मरीज, डॉक्टर, कार्डिसिल की पर्यंतेक नीलम विद्यार्थी और समाज को लाभ सरवैया, टीएनटीवी नर्सिंग होगा। गुणवत्ता अनुसंधान में कॉलेज के प्रिसिपिल किरणभाई वैशिक अनुसंधान, रीटि-रिवाज, डोमेडिया, सामाजिक अप्रणीति और नई बीमारियों पर और व्यवसायी पारस शाह, अनुसंधान शामिल है। आनंद विभिन्न कॉलेजों के प्रिसिपिल के प्राचार्य डॉ. और नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे।



सूरत। ईएमआरआई ग्रीन हेल्प सर्विसेज 108 आपातकालीन सेवा-सूरत ने वृद्धाश्रम, बस स्टैंड, रिक्शा स्टैंड, पार्क, बाजार जैसे विभिन्न स्थानों पर 108 बैन के साथ रक्तचाप, मधुमेह और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का मुफ्त निदान किया। विश्व स्वास्थ्य दिवस 108- सूरत के सभी कर्मचारियों ने स्वास्थ्य शिविर में सेवा दी। जिसमें 500 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। ये सेवा कार्यक्रम सूरत जिले के 108 आपातकालीन सेवा के कार्यक्रम प्रबंधक अधिकारी ठाकर और जिला समन्वयक रोशन देसाई, ज्योतिंद्र चौधरी, अजय कदम द्वारा किए गए।

रंगरसिया कवि सम्मेलन में कवियों ने बाँधा समा महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में ओरिएंटेशन दिवस मनाया गया

सुरत भूमि, सूरत।

शहर के पाल स्थित संजीवकुमार ऑडिटोरियम में सूरत जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रंगरसिया कवि सम्मेलन रविवार 7 अप्रैल को आयोजित किया गया। कवि सम्मेलन में पहुंचे देश के नामवान कवियों ने अपनी रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि शाम से कब रात हो गई लोगों को पता ही नहीं चला।

कभी प्रेम रस की कविता नहीं पीढ़ी को रोमांचित कर रही थी, तो कभी हास्य व्यंग से सरावर रचनाएं लोगों को गुदगुदा रही थी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शशिकांत यादव ने अपने चुटीले अंदाज से लोगों को कई बार ठाकरे लगाने पर मजबूर किया। ख्याति



जैन, हास्य व्यंग के प्रसिद्ध बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। सूरत जिला माहेश्वरी सभा हिमांशु बवंदर, हास्य व्यंग के के अध्यक्ष पवन बजाज, सचिव कवि मनोज गुर्जर ने भी अपनी अतीन बाहिरी ने मंच से सभी रचनाओं से साहित्य की सतरंगी समाज के लोगों को संबोधित किया। मंच संचालन रंग बग ने छोड़ी। इससे पूर्व कार्यक्रम का किया। जिला सभा एवं सेवा शुभारंभ महेश वंदना से शुरूआत मंडल के सभी पदाधिकारी व करके भगवान महेश की प्रतिमा कार्यसमिति सदस्य के अलावा के समक्ष अतिथियों के हाथों से बारह क्षेत्रीय सभाओं की पूरी दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके टीम व नवयुवक मंडल के

पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कवि सम्मेलन शुरूआत हुई गायत्री ख्याति प्राप्त कवियत्री डॉ. अनामिका जैन अम्बर द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से।

लाफ्टर फेम हिमांशु बवंदर ने व्यंग तोहे हुए कहा कि होली पर ठेके बंद होते थे, इस बार दिल्ली में ठेकेदार ही बंद हो गए।

राजनीति सुदीप भोला ने बाबा जी को समझा था क्या कच्चा बादाम, साइकिल धड़ाम... से

लिए मजबूर कर दिया।

कवियत्री अनामिका जैन अंबर ने जो राम को लाए हैं हम उनको

लाएंगे को प्रस्तुति से लोगों को नाचने को मजबूर कर दिया।

कवियों ने जहां लोगों का मनोरंजन किया, वहां लोगों का मनोरंजन किया, राजनीति में आ रही गिरावट पर बच्चों के अभिभावकों के तीखा व्यंग भी किया।

सुरत भूमि, सूरत।

महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में

स्कूल में प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन डे का

आयोजन किया गया। जिसमें

महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में

प्रदाइ के साथ- साथ बच्चों में किस तरह की गतिविधियाँ

सहित समस्त स्टाफ ने अपना

रूबरू हो सके इस उद्देश्य के

परिचय दिया। अभिभावकों ने

साथ ओरिएंटेशन दिवस का

भी इस तरह की योजना के

लिए स्कूल की सराहना की।

कोई माता- पिता कार्यक्रम में 130 से अधिक अपने बच्चे को स्कूल अभिभावकों ने भाग लिया। दाखिला करवाते हैं, विद्यालय के शिक्षकों द्वारा तो उनके मन में बच्चों अभिभावकों को विद्यालय के का उज्ज्वल भविष्य सिद्धांतों से परिचित कराया होता है। प्रत्येक माता- पिता को यह और दर्शन के बारे में भी जानकारी देने के लिए विद्यकारी एक और उद्देश्य किस स्कूल में ले जा रहा है। कर्मचारी और इकड़ा होकर एक- दूसरे को के समग्र विकास के जानने के साथ- साथ स्कूल लिए पदाइ के अलावा स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ में विद्यालय के शिक्षकों की जाती हैं इससे अभिभावक की जाती है इससे सहित स्कूल ने अपना रूबरू हो सके इस उद्देश्य के परिचय दिया। अभिभावकों ने साथ ओरिएंटेशन दिवस का भी इस तरह की योजना के लिए स्कूल की सराहना की।

किया है ताकि मरीज को बेहतर और उद्दा स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की जा सके। हार्ट एंड लंस ट्रांसलांट प्रोग्राम के डायेक्टर, डॉ. धीरेश शाह कहते हैं "कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक बाईपास सर्जरी एक बड़ी उपलब्धि है। रोटोटिक सिस्टम्स बोर्ड सीटरी और कुशल होते हैं, जिससे डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर्जरी की गई। इस रोटोटेक के समग्र विकास के जानने के साथ- साथ स्कूल लिए पदाइ के अलावा स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ में विद्यालय के शिक्षकों की जाती हैं इससे अभिभावक की जाती है इससे सहित स्कूल ने अपना रूबरू हो सके इस उद्देश्य के परिचय दिया। अभिभावकों ने साथ ओरिएंटेशन दिवस का भी इस तरह की योजना के लिए स्कूल की सराहना की।

किया है ताकि मरीज को बेहतर और उद्दा स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त की जा सके। हार्ट एंड लंस ट्रांसलांट प्रोग्राम के डायेक्टर, डॉ. धीरेश शाह कहते हैं "कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक बाईपास सर्जरी एक बड़ी उपलब्धि है। रोटोटिक सिस्टम्स बोर्ड सीटरी और कुशल होते हैं, जिससे डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर्जरी की गई। इस रोटोटेक के कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर्जरी की गई। इस रोटोटेक के कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर्जरी की गई। इस रोटोटेक के कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर्जरी की गई। इस रोटोटेक के कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में रोटोटेक डिजिटल एक-दूसरे को जानने के साथ- साथ स्कूल के बारे में भी जानें। कार्यक्रम में किस तरह की गतिविधियाँ से नायक भारत में बने रहे रोटोटिक बाईपास सर